(करोड़ रुपये)

बैंक का नाम	कुल अग्रिम	जिसमें से प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों से भिन्न क्षेत्रों को दिये गये अग्रिम	बकाया रकम
पंजाब नेशनल बैंक	2.80	0.30	
सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया	1.75	0.20	
भारतीय स्टेट बैंक	3.85	0.08	

इस प्रकार इन बैंकों द्वारा प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों से भिन्न क्षेत्रों को दिये गये अग्रिम, उनके द्वारा इस जिले में दिये गये कुल अग्रिमों के 7 प्रतिशत से कम बैठते हैं। प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों के ऋण कर्त्ताओं के सम्बन्ध में बकाया राशि अपेक्षतया उससे काफी ज्यादा है।

सीमित उपलब्ध संसाधनों के अन्दर अधिक से अधिक ऋणकर्त्ता आवेदकों को ऋण देने के उद्देश्य से अतिदेय रकमों की शीघ्र वसूली करना और फंसे पड़े संसाधनों को पुनः उपयोग में लाना जरूरी है। बैंक यह महसूस करते हैं कि अधिक संख्या में अतिदेय रकमों के मामले जानबूझकर व्यतिक्रम करने वालों से सम्बन्धित होते हैं और इस प्रकार के मामलों में रकमों की वसूली के लिये कानूनी कार्यवाही का सहारा लेने के सिवाय उनके पास कोई और विकल्प नहीं रह जाता।

युक्तिसंगत कठिनाइयों के मामलों में जहां व्यतिक्रम सूखे, बाढ़ अथवा अन्य दैवी विपत्तियों के कारण हुई क्षति की वजह से हुआ हो, बैंक न केवल मौजूदा ऋणों की वापसी अदायगी का फिर से कार्यक्रम बनाते हैं बल्कि राहत और पुनर्वास के लिये नए ऋण भी मंजूर करते हैं।

बस्तर और बिलासपुर को विमान सेवा से जोड़ना

*99. **श्री लक्ष्मण वर्मा** : क्या **पर्यटन और नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि केन्द्रीय सरकार ने मध्य प्रदेश में बस्तर और बिलासपुर को विमान सेवा से जोड़ने के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी है ;

(ख) यदि हां, तो इस प्रस्ताव को कब तक लागू किए जाने की संभावना है ; और

(ग) क्या यह भी सच है कि इन स्थानों के बीच वायुदूत सेवा चालू करने का विचार है ?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (श्री अनन्त प्रसाद शर्मा) : (क) से (ग). वायुदूत सेवाओं का चरणबद्ध क्रम से विस्तार किया जा रहा है तथा बस्तर (जगदलपुर) और बिलासपुर को विमान सेवा से जोड़ने के कार्यक्रम को वायुदूत सेवा के विस्तार के प्रथम चरण में ही सम्मिलित किया जा रहा है। उपर्युक्त स्टेशनों को विमान सेवा से जोड़ने की समय-सारणी अभी तैयार नहीं की जानी है।